# प्रेस–विज्ञप्ति

आज दिनांक 29 नवम्बर, 2014 को मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश सभाकक्ष में वाणिज्यक एंव औद्योगिक क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण पर कार्यशाला आयोजित की। देश में औद्योगिक एवं वाणिज्यक क्षेत्र में ऊर्जा का लगभग 57 प्रतिशत की खपत है। जबकि 30 प्रतिशत तक ऊर्जा के लिए नियमित रूप से ऊर्जा आडिट और ऊर्जा प्रबन्धन कार्यक्रम की मदद से ऊर्जा को बचाया जा सकता है। इस बढ़ती हुई खपत केवल हमारे राज्य और देश में ऊर्जा परिदृश्य बिगाड़ती ही नही हैं, बल्कि यह ग्लोबल वार्मिग और अन्य पर्यावरण के मुद्दो में योगदान दे रही है। आज समय की मांग है कि औद्योगिक तथा हर क्षेत्र में ऊर्जा को संरक्षण किया जाय।

उद्योग मालिकों को पर्यावरण की रक्षा के लिए और उनके उत्पादन प्रणाली को और अधिक लागत प्रभावी बनाने के लिए ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता पर जागरूक होना अनिवार्य है।

ऊर्जा के संरक्षण के लिए नीति कार्यक्रम, तकनीकी विकास और व्यवहार में परिवर्तन की आवश्यकता होंती है जो एक चुनौती है।

चेम्बर में ऊर्जा संरक्षण की जागरूकता बढ़ाने और औद्योगिक एवं वाणिज्यक में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए सभी हित धारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ ऊर्जा की लागत और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने व ऊर्जा संरक्षण प्रसार के लिए पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन द्वारा अनिवार्य जानकारी दी गयी ।

इस अवसर पर डा0 इन्द्र मोहन रोहतगी अध्यक्ष मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और बताया कि आज ऊर्जा सरंक्षण की प्राथमिकआवश्यकता है। उन्होने बताया कि विद्युत उत्पादन बढ़ाने से तथा बर्बादी बचाने से ऊर्जा के उपलब्धता बढ़ेगी।

श्री संदीप वर्मा,उप निदेशक पीसाआरए ने बताया कि बायलर/भट्टियों में पूरादहन, अपशिष्ट गर्मी की वापसी, ऊर्जा कुशल मोटर्स के उपयोग को सुनिश्चित करना, हवा व भाप को रोकना इस ऊर्जा का संरक्षण पर करता है, ऊर्जा संरक्षण में हाई पावर फैक्टर को बनाये रखने का उपयोग करें। उन्होने बताया कि ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (ECBC) के बारे में भी बताया। उन्होनं बताया कि अस्पताल, कार्यालय आदि जैसे ऊर्जा कुशल वाणिज्यक भवनों के निर्माण सुनिश्चित करने के लिए बहुत ही शीध्र राज्य में ईफीसेन्सी बिल्डिंग कोड लागू करने का प्रस्ताव आने वाला है।

संगोष्ठी मे अपनी ऊर्जा दक्षता उत्पादों की रेंज प्रदर्शित करने के लिए एल एंड टी, फिलिप्स और आईटीआई के प्रतिनिधियो ने विस्तृत रूप में जानकारी दी। श्रीमती वारालिका दुबे, अधीक्षण अभियन्ता यूपीएसडीए, लखनऊ ने भी ऊर्जा को बर्बाद होने से बचाने के लिए और ऊर्जा संरक्षण प्रणाली लागू करने के लिए सरकार की ओर से समर्थन देने की पेशकश की।

श्री पदम कुमार जैन, उपाध्यक्ष, मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश ने सभी को संगोष्ठी में पधारने का हार्दिक धन्यवाद दिया। कार्यशाला में श्री योगेश अग्रवाल सचिव ऐ0के सिन्हा, सचिव मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश एवं विभिन्न औद्योगिक एवं वाणिज्यक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थिति थे।

(ए0 के0 सिन्हा)